चालू अंकेक्षण एंव उसके लाभ

डा0 नज़ाकत हुसैन
एसोसिएट प्रोफेसर
राजकीय महाविद्यालय
भोजपुर मुरादाबाद

घोषणा

यह सामग्री विशेष रूप से शिक्षण और सीखने को बढ़ाने के शैक्षणिक उद्देश्य के लिये है। आर्थिक/वाणिज्यिक अथवा किसी अन्य उद्देश्य के लिए इसका उपयोग पूर्णतः प्रतिबन्धित है। सामग्री के उपयोगार्थ इसे किसी ओर के साथ वितरित, प्रसारित या साझा नहीं करेंगें ओर इसका प्रयोग व्यक्तिगत ज्ञान की उन्नति के लिये ही करेंगें। इस ई–कन्टेन्ट में जो जानकारी दी गयी है वह प्रमाणित है और मेरे ज्ञान के अनुसार सर्वोत्तम है।

चालू अंकेक्षण

वह अंकेक्षण जिसमें अंकेक्षण कर्मी पूरे वर्ष लेखों की जांच में निरन्तर व्यस्त रहते है। यह वित्तीय वर्ष प्रारम्भ होने के साथ शुरू होता है तथा वर्ष के दौरान चलता रहता है। इस विधि में अंकेक्षक वित्तीय वर्ष में स्थायी समयान्तर पर या अन्य समयों पर आकर आन्तरिक अंकेक्षण करता रहता है। यदि किसी संस्था में कार्य अधिक होता है तो अंकेक्षक स्थायी तौर पर अपने कुछ कर्मचारी संस्था में अंकेक्षण कार्य हेतु छोड़ देता है, जो संस्था में रहकर अंकेक्षण का कार्य करते रहते हैं।

चालू अंकेक्षण के लाभ

1. व्यापारिक कार्यप्रणाली की जानकारी
2. अशुद्धियों की सरलता से खोज
3. नैतिक प्रभाव
4. अन्तिम खातों का शीध्रता के साथ प्रकाशन सम्भव होना
5. कर्मचारियों के कार्य में पूर्णता
6. भावी योजनाओं के निर्माण में सहायक
7. कुशल अंकेक्षण
8. उपयुक्त परामर्श
9. लेखाकर्म में सुधार
10. आर्थिक स्थिति की जानकारी

चालू अंकेक्षण की सम्भावित हानियां

1. अंक परिवर्तन की सम्भावना
2. कार्य में बाधा
3. अधिक खर्चीला
4. यन्त्रवत कार्य
5. कार्य में शिथिलता
6. विस्तृत रूप से सूचनाओं को नोट करना
7. कार्य की निरन्तरता टूटने का भय

सन्दर्भ ग्रन्थः–

1. अंकेक्षण, डा0 टी0 आर0 शर्मा, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा।